अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

लघु दण्डक–30

प्र. 1 कोई चार द्वार लिखें– 24

(क) अवगाहना द्वार–तिर्यंच की अवगाहना द्विन्द्रिय से लेकर अन्त तक लिखें।

(ख) लेश्या द्वार–पहली नारकी से लेकर अंत तक लिखें।

(ग) स्थिति द्वार–वैमानिक देवों की स्थिति–पहले देवलोक से लेकर आठवें देवलोक तक लिखें।

(घ) उत्पत्ति द्वार।

(ङ) इन्द्रिय द्वार।

(च) संस्थान द्वार।

प्र. 2 कोई दो द्वार लिखें– 6

(क) युगलियों की स्थिति।

(ख) वेद द्वार–प्रारंभ से लेकर सर्वार्थ सिद्ध तक लिखें।

(ग) समुद्घात–असमुद्घात मरण द्वार।

पांच ज्ञान–30

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 24

(क) श्रुत ज्ञान के समुच्चय रूप से चार प्रकारों को स्पष्ट करें।

(ख) वर्धमान अवधिज्ञान व अप्रतिपाती अवधिज्ञान के बारे में लिखें।

(ग) केवल ज्ञान के विषय को अंत तक विवेचित करें।

(घ) व्यंजनावग्रह, अर्थावग्रह व प्रतिबोधक दृष्टांत के बारे में व्याख्या करें।

(ङ) सम्पूर्ण आकाश के.....उद्घाटित रहता है एवं मतिज्ञान श्रुतज्ञान के भेद बताएं।

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) तिर्यक लोक में पल्योपम की आयुष्य वाले देव कितने द्वीप समुद्र को देखते हैं?

(ख) स्वयं बुद्ध सिद्ध के कितने प्रकार की पात्रादि उपधि होती है?

(ग) सम्यक श्रुत से क्या तात्पर्य है?

(घ) अनंगप्रविष्ट श्रुत किसे कहते हैं?

(ङ) सोव्यवहारिक प्रत्यक्ष में कौन से ज्ञान आते हैं?

(च) मध्यगत अवधिज्ञान कितने क्षेत्र तक के पदार्थों को जानता देखता है?

(छ) गमिक व अगमिक शैली का प्रयोग किन आगमों में हुआ है?

(ज) 'अवाय' किसे कहते हैं?

गीतिका (गुणस्थान दिग्दर्शन)–10

प्र. 5 कोई दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) दसवें गुणस्थान में कितने व कौन से कर्मों का बंध होता है?

(ख) मोह कर्म का उदय निष्पक्ष भाव किस गुणस्थान तक होता है?

(ग) वेदनीय कर्म के दो भेद कौन से हैं तथा उनकी स्थिति कितनी होती है?

प्र. 6 कोई दो पद्य को अर्थ सहित लिखें– 8

(क) इग्यारमें, बारम.....मांयो रे।

(ख) मोह खायक.....माणे रे।

(ग) प्रथम समय.....मिलावै रे।

(घ) खपक श्रेण.....मिटावै रे।।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–30

प्र. 7 निम्न सभी प्रश्नों के उत्तर दें– 30

(क) **पच्चीस बोल**–आश्रव तत्त्व का बारहवां भेद ***अथवा*** अंक बाईस के भांगे कितने? 1

(ख) **चतुर्भंगी**–आठवां ***अथवा*** उन्नीसवां बोल। 3

(ग) **पच्चीस बोल की चर्चा**–तीसरा ***अथवा*** पन्द्रहवां बोल। 3

(घ) **तत्त्व चर्चा**–सावद्य पर चर्चा ***अथवा*** पुण्य धर्म आदि एक या दो? 3

(ङ) **प्रतिक्रमण**–पौषधव्रत के अतिचार ***अथवा*** अभ्युत्थान सूत्र। 2

(च) **कर्म प्रकृति**–प्रत्येक प्रकृति 4,5,6,7 ***अथवा*** शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु। 4

(छ) **जैन तत्त्व प्रवेश**–परमात्म द्वार ***अथवा*** दृष्टांत द्वार–बंध के पश्चात प्रश्न व उत्तरों का वर्णन करें।3

(ज) **बावन बोल**–जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा? ***अथवा*** चौदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा? 4

(झ) **इक्कीस द्वार**–अनाहारक ***अथवा*** सम्यक मिथ्या दृष्टि। 4

(ञ) **जैन तत्त्व प्रवेश** (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–निश्चय नय से प्रारंभ कर अंत तक लिखें ***अथवा*** विश्राम द्वार लिखें। 3